खबर संक्षेप

युवक से हुई जमकर मारपीट

शहडोल। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले फरियादी सूरज सिंह बघेल पिता समरजीत सिंह बघेल उम्र 30 वर्ष निवासी एफसीआई गोदाम सिंहपुर रोड ने अपने दोस्त शिवा बौधरी, चन्द्रकांत दुबे उर्फ अंकित के साथ रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25 जून की रात करीबन 09.30 बजे दुकान बंद करने के लिये दुकान के बाहर खड़ी कपड़ो की डमी को उठा कर अंदर रख रहा था, जैसे डमी उठाया तभी एफसीआई गोदाम का शानू यादव और उसका भाई संदीप यादव तथा कृष्णा गुप्ता आये और मुझे देखते ही संदीप यादव गाली देते हुए कहा कि नेतागिरी कर रहा था, आज तुझे बताता हूँ। इतना सुनते ही मैनें उसे गाली देने से मना किया तो, शानू यादव मुझसे लपट पड़ा और हाथ मुक्का से मारपीट करने लगा और संदीप यादव बेस बास का डण्डा लिये था, उससे मारने के लिये ऊपर किया तो मैनें पकड़ लिया, तभी शानू यादव वहीं पड़े ईट का टुकड़ा उठा कर मुझे मारा तो मेरे सिर के पीछे लगा जो सिर से खून बहने लगा। इतने में संदीप का दोस्त कृष्णा गुप्ता आकर एक हाथ से मेरी शर्ट पकड़ लिया और दूसरे हाथ से पीठ में मारते हुये बोला छोड़ो मत मारो, तब मैं बचने के लिये चिल्लाया तो दुकान मालिक पंकज गुप्ता, दुकान में काम करने वाला पिन्टू जायसवाल, अभिषेक सोनी दौड़ कर आये और मुझे उन लोगों से बचाये हैं, तब शानू यादव, संदीप यादव तथा कृष्णा गुप्ता जाते समय कह रहे थे कि तुझे आज तो बचा लिये, दोबारा अकेला मिला तो जान से खत्म कर देगें। पुलिस ने अपराध कायम कर विवेचना में लिया है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को कुचला

शहडोल । जिले के केशवाही चौकी क्षेत्र अंतर्गत पकरिहा धनौरा तिराहे पर शुक्रवार को एक भीषण सडक़ हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चालक बुरी तरह घायल हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार ईंटों से भरे ट्रैक्टर ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार, मोहन पांव अपनी पत्नी नान बाई और मौसी सुभद्री के साथ साजा टोला गांव से नेवतारी गांव किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही तीनों लोग बाइक से पकरिहा धनौरा तिराहे पर मुख्य मार्ग पर पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को सीधे टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोहन पाव की पत्नी और मौसी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मोहन पाव गंभीर रूप से घायल हो गया।
स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। वहीं हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया, हादसे की जानकारी मिलते ही केशवाही चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है, स्थानीय लोगों ने सडक़ पर लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भक्ति मय माहौल में डूबी विराटधरा, भगवान कल पहुंचेंगे अपने धाम

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

शहडोल। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की धूम संभागीय मुख्यालय में रही, पर्यटकों ने इस दौरान आस्था की डुबकी लगाई, हरे कृष्णा हरे राम की धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालुओं ने पूरे नगर का भ्रमण किया, श्रद्धालुओं की भीड़ की गूंज और भक्तिमय माहौल के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा अपने भव्य रथ पर सवार होकर पंचायती मंदिर पहुंचे। भगवान जगन्नाथ जी स्वामी रथ यात्रा आयोजन समिति के माध्यम से नगर में विगत 100 वर्षों से शहर के नागरिकों द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी स्वामी रथ यात्रा निकाले जाने की परंपरा प्रारंभ हुई थी, जो आज भी निरंतर जारी है। शुक्रवार की दोपहर 2.00 बजे पुष्प नक्षत्र महायोग जैसे अति विशिष्ट शुभ मुहूर्त पर भगवान श्री जगन्नाथ जी स्वामी की भव्य रथ यात्रा मोहन राम मंदिर शहडोल से गणेश मंदिर बुढ़ार चौक से वापस होते हुए गुरु नानक चौक, घरौला मोहल्ला, कमिश्नर बांग्ला, नर्मदा गैस एजेंसी, जय स्तंभ से वापस मुख्य मार्ग, चौपाटी , गंज रोड, सब्जी मंडी होते हुए न्यू गांधी चौक, पुराना गांधी चौक, शिवम होटल से जामा मस्जिद होते हुए पुराना गांधी चौक से भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा पंचायती मंदिर पहुंची। यहां पर दो दिवस भगवान विश्राम करेंगे, कल 29 जून को शाम 5 बजे भगवान जगन्नाथ पंचायती मंदिर से मोहन राम मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे।

रथ खीचने वाला बढ़ता है मोक्ष की ओर

रथ यात्रा की एक सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं होता, कोई भी व्यक्ति, चाहे वो किसी भी धर्म, जाति या देश का हो, रथ खींच सकता है, शर्त बस इतनी है कि उसका मन सच्चे भाव से भरा हो, मान्यता है कि रथ की रस्सी खींचने वाला व्यक्ति जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्ति पाकर मोक्ष की ओर बढ़ता है, हालांकि कोई भी एक व्यक्ति ज्यादा देर तक रथ नहीं खींच सकता, ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि हर आने वाले श्रद्धालु को यह अवसर मिल सके और अगर कोई रथ न भी खींच पाए तो भी चिंता की बात नहीं, क्योंकि इस यात्रा में सच्चे मन से शामिल होना भी हजारों यज्ञों के बराबर पुण्य माना जाता है।

रथ यात्रा की शुरुआत कैसे हुई?

स्कंद पुराण के अनुसार, एक दिन भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जताई, तब जगन्नाथ और बलभद्र ने उन्हें रथ पर बिठाकर नगर भ्रमण करवाया, इस दौरान वे अपनी मौसी गुंडिचा के घर भी गए और वहां सात दिन ठहरे, तभी से इस यात्रा की परंपरा शुरू हुई, समिति

के सदस्यों ने बताया की शहडोल नगर की सुख शांति वैभव के लिए भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। नगरवासी भगवान जगन्नाथ जी के रथ यात्रा का पूरे साल भर बेसब्री से इंतजार करते हैं। मान्यता है कि रथ यात्रा में शामिल होने से पुराने कर्मों का बोझ हल्का होता है और मन को शांति मिलती है, कहा जाता है कि जो भक्त रथ यात्रा में भाग लेते हैं, उन्हें सौ यज्ञ के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है।

चुस्त-दुरुस्त रही व्यवस्था

जिला प्रशासन ने सुचारू एवं दुर्घटना मुक्त रथ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की थी, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने गुरुवार को कहा था कि जिला मुख्यालय में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जानी है, रथ यात्रा का मार्ग निर्धारित है। जिन मार्गों से रथ यात्रा निकलेगी उन मार्गों का टीआई कोतवाली विद्युत विभाग तथा नगरपालिका के अधिकारियों की संयुक्त टीम भ्रमण कर जहां-जहां मार्ग में गड्ढे भरने तथा बिजली के तारों को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है, वे सभी कार्य पूरे करा लिए जाए। रथ यात्रा के दौरान भीड़ और यातायात व्यवस्थित करने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

जन्मदिन पर पुलिस कर्मियों को मिल रही छुट्टी

कप्तान ने पुलिस कर्मियों को दिया तोहफा

शहडोल। जन्मदिन, सालगिरह, त्योहार या कोई अन्य खुशी का मौका। पुलिस विभाग के लोग अक्सर इन अवसरों से चूक जाते हैं। वजह पुलिस की 24 घंटे की ड्यूटी। छुट्टी संकट के बीच पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने पुलिस की व्यस्त नौकरी को समझ सभी पुलिस अधिकारी-कर्मचारी के लिए जन्मदिन पर छुट्टी की पहल शुरू कर दी है। अर्थात अब पुलिस को भी उनके जन्मदिन पर एक दिन की छुट्टी मिलेगी। कप्तान ने जिले के पुलिसकर्मियों को उनके जन्मदिन पर एक ऐसा तोहफा मिल रहा है, जो न सिर्फ उन्हें सुकून दे रहा है, बल्कि उनके परिवार को भी मुस्कुराने की वजह दे रहा है।

शहर से बाहर भी जा सकते हैं जवान

पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव की अनूठी पहल के तहत अब जिले में पदस्थ आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर तक के पुलिसकर्मियों को जन्मदिन के दिन विशेष छुट्टी दी जा रही है, ताकि वे अपने परिजनों और दोस्तों के साथ इस खास दिन को मना सकें, इस छुट्टी के तहत पुलिसकर्मियों को मुख्यालय छोडऩे की भी अनुमति दी गई है, यानी वे चाहें तो शहर से बाहर जाकर भी अपने जन्मदिन का जश्न मना सकते हैं। इतना ही नहीं यदि किसी थाने में एक ही दिन में तीन या उससे अधिक पुलिसकर्मियों का जन्मदिन आता है, तो थाना प्रभारी को यह अधिकार है कि वे अवकाश की तारीखें आपसी सहमति से आगे-पीछे कर सकते हैं, ताकि थाने के कार्यों पर असर न पड़े।

अब तक के आंकड़े बताएं कुछ खास

दिसंबर 2024 से जून 2025 तक 461 पुलिसकर्मियों को उनके जन्मदिन पर छुट्टी दी जा चुकी है। जुलाई माह में 180 पुलिसकर्मियों के जन्मदिन पर छुट्टी प्रस्तावित है। पुलिस अधीक्षक की इस नई पहल से पुलिसकर्मियों में जबरदस्त उत्साह है। जन्मदिन पर ड्यूटी की जगह परिवार के बीच रहना उनके लिए मानसिक सुकून और नई ऊर्जा का स्रोत बन रहा है। पुलिसकर्मियों के परिजन भी इस फैसले से बेहद खुश नजर आ रहे हैं। यह पहल न केवल पुलिस विभाग की कार्यसंस्कृति को मानवीय बना रही है, बल्कि विभागीय संबंधों में भी गर्मजोशी घोल रही है।

गंभीर स्थिति में निरस्त होगी छुट्टी

पुलिस अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि कार्य की अधिकता के कारण उनके विशेष दिनों पर बर्थडे, शादी की सालगिरह पर अवकाश नहीं मिल पाता है, कई बार त्यौहारों में भी अवकाश नहीं मना पाते हैं, इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कर्मचारी के जन्मदिवस पर पूर्व से ही एक दिन का अवकाश स्वीकृत किया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी पुलिसकर्मी के जन्मदिन के दिन क्षेत्र में गंभीर कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो उस कर्मचारी का अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जा सकता है। शहडोल पुलिस की यह पहल साबित कर रही है कि वर्दी के पीछे भी एक मुस्कुराता इंसान है, जिसे खुश रहना और खुशियां बांटना आता है।

नशे में धुत्त ड्राइवर ने मवेशियों को कुचला, 8 गायों की दर्दनाक मौत

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र एनएच-43 में तेज रफ्तार और लापरवाही का कहर एक बार फिर सामने आया है। बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत लालपुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर एक नशे में धुत्त मिनी ट्रक चालक ने सडक़ किनारे बैठे मवेशियों को बेरहमी से रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में 8 मवेशियों की मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई, जिनमें कुछ गर्भवती गायें भी शामिल थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रक चालक पूरी तरह नशे में था और बिना किसी नियंत्रण के वाहन दौड़ा रहा था, रास्ते में बैठे बेजुबान मवेशियों को उसने एक के बाद एक कुचल दिया, हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया, लेकिन मौके पर पहुंचे गौ सेवकों ने तत्परता दिखाते हुए मिनी ट्रक को पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया, पुलिस ने मिनी ट्रक जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है। बुढ़ार थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि आरोपी के खिलाफ गौवंश संरक्षण अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।
घटना के बाद स्थानीय गौ सेवकों और ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश देखा गया, उन्होंने इसे सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि बेजुबान जीवों के प्रति अमानवीय अपराध बताया। क्षेत्र में बढ़ती ऐसी घटनाओं को लेकर लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि इन दिनों हो रही बारिश के चलते मवेशी सडक़ों पर शरण लेते हैं। मगर हाईवे पर वाहन चालकों की तेज रफ्तार और लापरवाही इन बेजुबानों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि हाईवे किनारे बैरिकेड्स या चेतावनी बोर्ड लगवाए जाएं, जिससे इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

शहडोल में बाघ ने दी दस्तक

शहडोल। जिला मुख्यालय से सटे रिहायशी इलाके में एक बाघ के खुलेआम सडक़ पार करने का वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में हडक़ंप मच गया है। यह घटना शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग स्थित रोहनिया टोल वे के पास की बताई जा रही है, जहां एक नगरपालिका कर्मचारी ने सडक़ पार कर रहे बाघ को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसे देखकर लोगों में खौफ और दहशत का माहौल है।
प्रत्यक्षदर्शी नगरपालिका कर्मचारी ने बताया कि वह सामान्य रूप से ड्यूटी पर जा रहा था, तभी अचानक सडक़ किनारे झाड़ियों से एक विशालकाय बाघ निकला और सडक़ पार कर जंगल की ओर चला गया। यह नजारा इतना चौंकाने वाला था कि कुछ सेकेंड के लिए हर कोई स्तब्ध रह गया। कर्मचारी ने तुरंत अपने मोबाइल से इस दृश्य को रिकॉर्ड कर लिया, हैरानी की बात यह है कि जब इस मामले में वन विभाग से संपर्क किया गया तो, उन्होंने किसी भी तरह की जानकारी से इनकार किया। न तो मौके पर कोई गश्ती दल था, न ही आस-पास क्षेत्र में कोई चेतावनी या निगरानी की व्यवस्था दिखी। इससे विभाग की उदासीनता और सतर्कता की पोल खुलती नजर आ रही है।
बाघ की आमद की खबर फैलते ही क्षेत्रीय नागरिकों में डर और चिंता का माहौल बन गया है। बच्चों और बुजुर्गों को लेकर लोग खासे चिंतित हैं। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन और वन विभाग जल्द से जल्द इलाके में निगरानी बढ़ाए, कैमरे लगाए और बाघ की मौजूदगी की पुष्टि कर सुरक्षा इंतजाम करें।

भालू को बचाने में टली बड़ी दुर्घटना, एंबुलेंस हादसे का शिकार

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र एनएच सीधी मार्ग में बड़ा हादसा टल गया, जब मरीज को लेने छत्तीसगढ़ से जयसिंहनगर की ओर जा रही एक एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे उतर गई। यह घटना जयसिंहनगर-सीधी मार्ग पर झारा गांव के पास की है, जहां एंबुलेंस चालक ने बीच सडक़ पर अचानक आए एक भालू को बचाने की कोशिश में वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और एंबुलेंस में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के वक्त एम्बुलेंस तेज रफ्तार में थी, लेकिन चालक की सजगता ने भालू की जान भी बचा ली और वाहन को पलटने से भी रोक दिया। यह घटना न सिर्फ एक सडक़ हादसा है, बल्कि एक मानवीय उदाहरण भी है, जिसमें चालक ने जानवर की जान को भी महत्व दिया। ऐसे समय में जब सडक़ पर जानवरों की मौजूदगी कई बार जानलेवा साबित होती है, यह मामला एक मिसाल बन गया है कि सतर्कता और मानवता दोनों से बड़ा संकट टाला जा सकता है। घटना की सूचना मिलते ही जयसिंहनगर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया, पुलिस ने बताया कि वाहन को मामूली नुकसान हुआ है और एंबुलेंस को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

नपा के ट्रैक्टर से नाबालिग की मौत

शहडोल। शहर के हृदय स्थल जेल बिल्डिंग के पास शुक्रवार को हृदयविदारक हादसे में 12 वर्षीय बालक की जान चली गई। दुर्गा कॉलोनी निवासी अभिषेक चौधरी अपने नाना को खाना देने जा रहा था, तभी नगर पालिका के सफाई ट्रैक्टर वाहन ने उसकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अभिषेक को तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा दोपहर को हुआ, जब अभिषेक खाना लेकर जेल बिल्डिंग की ओर जा रहा था, जैसे ही वह साइकिल से जेल परिसर के पास पहुंचा, तेज रफ्तार में आ रहे नगर पालिका के ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया, इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल बालक को जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को जब्त कर लिया, पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम उपरांत परिजनों को सौंप दिया, फिलहाल मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। अभिषेक चौधरी की असमय मौत से दुर्गा कॉलोनी में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मासूम की आखिरी झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नगरपालिका की लापरवाही एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सफाई व्यवस्था में लगे ट्रैक्टर-वाहन अक्सर तेज रफ्तार से चलते हैं, जिससे सडक़ हादसों की आशंका बनी रहती है, चर्चा है कि उक्त वाहन के बीमा-फिटनेस के दस्तावेज नहीं है।

आईसीटी का उपयोग कर शिक्षण को बनाएं एवं प्रभावशाली: पाण्डेय

प्रशिक्षण में शिक्षक सीख रहे आईसीटी टूल्स का उपयोग

शहडोल। शिक्षण अधिगम को सरल और प्रभावशाली बनाने में आईसीटी प्रभावी साधन है। आईसीटी का शिक्षक उपयोग करके गुणवत्ता पूर्ण एवं रोचक तरीके से शिक्षा प्रदान करेंगे। शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 25 से 27 जून तक आईसीटी का शिक्षण में उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें तृतीय दिवस में एपीसी अरविंद पांडे द्वारा शिक्षकों का संबोधित करते हुए आईसीटी टूल्स का महत्व एवं शिक्षण में उसकी उपयोगिता को बताया, शिक्षक आईसीटी टूल्स का उपयोग कर शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार ला सकते हैं, शिक्षक अपनी कक्षा को रोचक एवं प्रभावशाली बना सकते हैं, शिक्षक आईसीटी संसाधनों का उपयोग करके शैक्षिक सामग्री तैयार करेंगे। शिक्षक टैबलेट तथा स्मार्ट बोर्ड में छात्रों को आईसीटी का उपयोग कर प्रभावी शिक्षण देंगे। प्रशिक्षण में आईसीटी के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर्स राजीव कुमार मिश्रा एवं दीपनारायण तिवारी द्वारा जिले के हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी के शिक्षकों को आईसीटी सॉफ्टवेयर एवं टूल्स के बारे में बताया गया, शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने विद्यालय में एक दिवस का प्रशिक्षण देंगे, छात्र आईसीटी टूल्स का उपयोग करके सुगम तरीके से शिक्षण सामग्री प्राप्त करेंगे, आईसीटी का प्रयोग शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति होगी। कार्यक्रम के समापन में सहायक संचालक जे.पी.गुप्ता द्वारा संबोधित किया गया और आईसीटी टूल्स का उपयोग कर शिक्षा में गुणवत्ता लाने को कहा गया। आईसीटी प्रशिक्षण जिले के सभी शिक्षकों के शिक्षकों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लेगा। प्रशिक्षण में आईसीटी सॉफ्टवेयर एवं टूल्स के संचालन में नीलेश मिश्रा एवं डी.के.यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

टेक्निकल स्कूल ग्राउंड में कमिश्नर बंगले के निर्माण पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने जताया विरोध

शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने अपना बयान जारी करते हुए कहा है कि शहर के बीच स्थित टेक्निकल स्कूल ग्राउंड मे कमिश्नर बंगले का निर्माण कराया जा रहा है, जो कि सरासर अनुचित है, क्योंकि शहर मे वैसे भी बच्चों के खेलने के लिए मैदान की कमी है, उस पर टेक्निकल ग्राउंड के बीचोंबीच बंगले का निर्माण कराए जाने से यहाँ खेलने वाले बच्चों से खेल का मैदान छीना जा रहा है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कमिश्नर बंगले का निर्माण कराने के लिए शहर मे बहुत सी शासकीय जमीने हैं तो, फिर बच्चों के खेल मैदान मे निर्माण कार्य पद का दुरुपयोग करते हुए हिटलरशाही को दर्शाता है। सुभाष गुप्ता ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि कमिश्नर बंगला बनाने से किसी एक व्यक्ति को लाभान्वित करने की बजाय टेक्निकल ग्राउंड में बच्चों के खेलने योग्य मैदान या पार्क बनाए जा सकता हैं या बहुत से शासकीय कार्यालय जो की पुराने या जर्जर भवनों मे संचालित हो रहे हैं, उन सभी कार्यालयों के लिए यहां भवन का निर्माण कराया जा सकता है, जिससे सभी शासकीय कार्यालय व्यवस्थित रूप से एक ही जगह संचालित हो सकते हैं, जिससे आमजन को अलग-अलग कार्यालयों के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा।

खबर संक्षेप

मोहर्रम त्यौहार पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु लगाई गई मजिस्ट्रीरियल ड्युटी

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने मोहर्रम त्यौहर पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार कार्यपालिक दंडाधिकारी की मजिस्ट्रीरियल ड्युटी लगाई है । उन्होने कहा है कि त्यौहर के दौरान संपूर्ण जिले की कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कलेक्टर को समय समय पर वस्तु स्थिति के संबंध में अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिले में बीते 24 घंटे में 23.2 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि जिले में बीते 24 घंटे में 23.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ मे 13.4 मिमी, मानपुर में 52.2 मिमी, पाली में 6.8 मिमी, नौरोजाबाद में 3.2 मिमी, चंदिया में 1.8 मिमी, करकेली में 12.8 मिमी ,बिलासपुर में 72 मिमी वर्षा शामिल है । जिले में 1 जून से लेकर आज दिनांक तक 163.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ में 192.1 मिमी, मानपुर में 118.8 मिमी, पाली में 124.2 मिमी, नौरोजाबाद में 134.8 मिमी, चंदिया में 152.2 मिमी, करकेली में 158.2 मिमी, बिलासपुर में 261.4 मिमी वर्षा शामिल है , जबकि गत इसी अवधि तक 23.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जिसमें बांधवगढ मे 31.8 मिमी, मानपुर में 20.9 मिमी, पाली में 10 मिमी, नौरोजाबाद में 66.6 मिमी, चंदिया में 17.4 मिमी, करकेली में 5.8 मिमी ,बिलासपुर में 9 मिमी वर्षा शामिल है ।

7 जुलाई को जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

उमरिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में 7 जुलाई को समय सीमा की बैठक के पश्चात आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

30 जून को सामान्य प्रशासन समिति की बैठक

उमरिया। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक 30 जून को अपरान्ह 1 बजे से जिला पंचायत उमरिया के सभागार में आहूत की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

जिला स्तरीय वन स्टॉप सेंटर योजना की समीक्षा बैठक 7 जुलाई को

उमरिया। वन स्टॉप सेंटर में हिंसा से पीड़ित महिलाओ को सुरक्षा, अस्थाई आवास , स्वास्थ्य लाभ, पुलिस एवं कानूनी सहायता संबंधी सुविधाएं दी जाती है । जिला स्तरीय वन स्टॉप सेंटर योजना की समीक्षा बैठक 7 जुलाई को समय सीमा की बैठक के पश्चात आहूत की गई है । बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

औद्योगिक भूखंडों के आवंटन हेतु एक्प्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट आमंत्रित

उमरिया। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने बताया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा उमरिया जिले में स्थित विभागीय औद्योगिक क्षेत्र बड़वार तहसील चंदिया में रिक्त औद्योगिक भूखंडों के आवंटन हेतु 1 जुलाई से प्रातः 11 बजे से 15 जुलाई को अपरान्ह 5 बजे तक एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किए गए है। उक्त प्रक्रिया विभागीय पोर्टल पर संपादित की जाएगी। प्रक्रिया अंतर्गत प्रत्येक भूखण्ड हेतु आवेदन शुल्क रूपये 5000 होगा। आवेदन शुल्क वापसी योग्य नहीं होगा। आवेदन शुल्क के अतिरिक्त आवेदित भूमि हेतु आवेदन दिनांक को प्रचलित प्रब्याजी (प्रीमियम) की 25प्रतिशत अग्रिम राशि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा करनी होगी। भूखंडो का आवंटन मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधक नियम 2025 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। नियम, प्रक्रिया एवं भूखण्डों आदि की विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

सचिव संगठन ने समय सीमा समाप्त होने पर तबादला न करने की दी चेतावनी

लेन-देन कर नेताओं के इशारे में नोटशीट हुई तैयार

शहडोल। मोहन सरकार की पहली तबादला नीति में बीते पखवाड़े लगभग हर विभाग के कर्मचारियों को इधर से उधर किया गया, लेकिन जिला पंचायत ने 23 जून तक सचिवों को इधर से उधर नहीं किया जा सका, इसके बाद अचानक जनप्रतिनिधियों के प्रतिवेदन वाली नोटशीट सोशल मीडिया पर वॉयरल हो गई, हालाकि इस लिस्ट में ऐसा कुछ गलत नहीं था कि सचिवों को इधर से उधर नहीं किया जा सकता, लेकिन पार्टी विशेष के पदाधिकारियों के कहने पर समय सीमा समाप्त होने के बाद तबादला करना सचिव संगठन को नगवार गुजरा और उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप दिया, जिसके बाद अब तक उन सचिवों का तबादला प्रशासनिक दृष्टिकोण से नहीं हो सका।

यह कह रहा संगठन

मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी स्थानांतरण 2025 के अनुसार पंचायत सचिवों का स्थानांतरण की अंतिम तारीख 17 जून तक रखी गई थी, लेकिन 23 जून तक की स्थिति में जिले में पंचायत सचिवों का स्थानांतरण नहीं किया गया, कुछ सक्रिय दलालों के द्वारा जिले में पंचायत सचिवों के ट्रांसफर को लेकर अवैध वसूली व धमकी भी दी जा रही है, जिससे जिले के सचिवों में भय व्याप्त है। मध्यप्रदेश सचिव संघ के जिलाध्यक्ष ने कलेक्टर को दिये गये पत्र में कहा कि स्थानांतरण अवधि समाप्त हो चुकी है, ऐसी स्थिति में अब पंचायत सचिवों का स्थानांतरण न किये जाये, ताकि पंचायत सचिव अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन स्वतंत्र रूप से कर सके। साथ ही संगठन ने चेतावनी दी कि यदि सचिवों का स्थानांतरण किया जाता है तो, संगठन न्यायालय की शरण में जाने के लिए बाध्य होगा।

लेनदेन के लगे आरोप

मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव के साथ ही पंचायत राज संचालनालय के संचालक को भी एक अन्य संगठन ने पत्र सौंपते हुए कहा कि जिला पंचायत शहडोल में पंचायत सचिवों के स्थानांतरण से संबंधित नोटशीट कलेक्टर के हस्ताक्षर के बाद वायरल हुई, जिसमें पार्टी विशेष के जनप्रतिनिधियों, नेताओं की अनुशंसा के आधार पर स्थानांतरण सूची बनाई गई थी, जो स्थानांतरण नीति 2025 के अनुरूप नहीं है, जिसमे कलेक्टर द्वारा अपनी अनुशंसा के बाद प्रभारी मंत्री को फाईल बढ़ाई गई, लेकिन जिला पंचायत के कुछ कर्मचारियों द्वारा लेनदेन के चलते प्रभारी मंत्री की अनुशंसा के पहले ही वायरल कर दिया।

स्थानांतरण पर लगाया जाये प्रतिबंध

नोटशीट किसी कार्यालय का एक गोपनीय अभिलेख होता है, जो प्रभारी मंत्री जैसे महत्वपूर्ण व्यक्ति के पास जाने से पहले वायरल करने वाले संदेही कर्मचारियो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए भ्रष्टाचार और नियम विरूद्ध तरीके से लेनदेन कर नेताओं के इशारे पर बनाई गई सूची संपूर्ण स्थानांतरण की प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगाया जाये। जिला पंचायत में सचिवों के स्थानांतरण की वॉयरल नोटशीट को निरस्त करते हुए समयसीमा समाप्त होने से सचिवो का स्थानांतरण प्रतिबंधित करने के आदेश तत्काल प्रभाव से जारी किये जाये।

समय सीमा में नहीं किया तबादला

सचिवों के तबादले के लिए पंचायत ग्रामीण विकास विभाग ने जो गाइड लाईन तय की थी, उसके अलावा आरोपों और शिकायतों से घिरे सचिवों के तबादले हालाकि अब तक नही हो पाये हैं, कुछ सचिव वर्षो से पंचायतों में जमें हैं और मलाई चाट रहे हैं, वह अपनी पदस्थापना वाली पंचायतों से कहीं जाना नहीं चाहते। 81 पंचायत सचिवों की नोटशीट तो वॉयरल हुई, लेकिन कई ऐसे सचिव जिले की पंचायतों में पदस्थ हैं, जिनके विरूद्ध भ्रष्टाचार की किताब लिखी जा सकती है, लेकिन समयसीमा में सचिवों का तबादला न होना यह दर्शाता है कि अब नौकरशाहों को ऐसे भ्रष्ट सचिव ज्यादा राश आ रहे हैं।

धरती आबा अभियान के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर संपन्न

उमरिया। सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग डा. पूजा व्दिवेदी ने बातया कि धरती आबा जन जातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जन जातीय समुदायो को सशक्त बनाने के लिए 15 जून से जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में कैंप का आयोजन प्रारंभ हो गया है। उन्होने बताया कि 26 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत कोलौनी मे शिविर आयोजित किया गया जिसमें कोलौनी, ठूठाकुदरी, सिंहपुर, कनेरी, सेमरिहा, दुलहरी, बरगवां, गहिराटोला के ग्रामीण जन शामिल हुए । इसी तरह मानपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बल्हौड़ में शिविर आयोजित किया गया जिसमें अमिलिया, बल्हौड, छपरौड़, देवरी, धखोदर, गंगीताल, कुशमहा, देवरी , सेजवाही, लखनौटी, उरदना, कठार के ग्रामीण जन शामिल हुए । शिविर के माध्यम से आधार कार्ड, पीएम आवास, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम उज्जवला योजना, वन अधिकार पट्टा, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा वृध्दावस्था पेंशन, एलपीजी गैस कनेक्शन, जन धन खाता, बीमा योजना, पीएम सुरक्षा मातृत्व अवकाश, राशन कार्ड, पीएम विश्वकर्मा, पीएम मातृत्व योजना, पीएम आवास योजना, टीकाकरण स्किल, मछली पालन हेतु हितग्राहियों का चिन्हांकन करने के साथ ही अन्य योजनाओ की जानकारी से अवगत कराया गया । उन्होने बताया कि 28 जून को करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत पिनौरा, पाली जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बरहाई तथा मानपुर जनपद पंचायत के इंदवार में शिविर का आयोजन किया गया है।

खेत तालाब एवं अमृत सरोवरों में भरने लगा पानी

उमरिया। प्रदेश शासन के आव्हान पर जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन 30 मार्च से प्रारंभ किया गया था, जिसका समापन 30 जून को होगा । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में पांच अमृत सरोवर, 210 खेत तालाब तथा 1100 डगवेल रिचार्ज का काम प्रारंभ किया गया । उन्होने कहा कि जिन खेत तालाबों, अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया था, वह पहली बारिश के बाद से ही भरना प्रारंभ हो गया है । जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन सप्ताह 24 जून से प्रारंभ हुआ है , जिसके तहत बनाये गये अमृत सरोवर, खेत तालाबों का निरीक्षण किया जा रहा है । जंगा गंगा संवर्धन अभियान जिले में सार्थक सिध्द हुआ है । अभियान के माध्यम से जनप्रतिनिधियो, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयं सेवी संस्थाओ ने जुडक़र जिले में स्थित छोटी छोटी जल सरंचनाओं के जीर्णोध्दार के लिये कार्य किया ।

मत्स्याखेट का उल्लंघन करते पाए जाने पर की गई कार्यवाही

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मत्स्य प्रजनन काल होने के कारण 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक मत्स्य आखेट,परिवहन,विक्रय पर प्रतिबंध लगाया है। मत्स्य विभाग व्दारा मत्स्य बाजार घुलघुली का निरीक्षण किया गया जहा पर 16.500किलोग्राम मत्स्य जप्त कर 1500 रू0 में नीलाम कर राशि शासन के मद में जमा की गई । उन्होने मत्स्य विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिये है कि बंद ऋतु में अवैध मत्स्य आखेट/विक्रय आदि न करे।

ई-केवाईसी कार्य पूर्ण करने संयुक्त दल गठित

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा समय सीमा की बैठक में नगर निगम सीमान्तर्गत कराये जा रहे ई- केवाईसी कार्य में गति लाते हुए 30 जून तक पर्ण किये जानें के दिए निर्देशों के अनुपालन में नगर निगम उपायुक्त शेलेश गुप्ता द्वारा विशेष दल का गठन किया है। गठित दल में सेक्टर पर्यवेक्षक, सुपरवाईजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायक राजस्व निरीक्षक एवं वार्ड दरोगा को संलग्न कर डोर टू डोर नागरिकों से संपर्क करते हुए लंबित ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। इस कार्य हेतु जागेश्वर प्रसाद पाठक राजस्व अधिकारी को को नोड़ल अधिकारी तथा सागर नायक सहायक राजस्व अधिकारी को सहायक नोड़ल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उपायुक्त श्री गुप्ता द्वारा जारी आदेशानुसार नगर निगम के 45 वार्डो में प्रत्येक वार्ड में ई-केवाईसी कार्य हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, नगर निगम के ए.आरआई, सेक्टर पर्यवेक्षक, कम्प्यूटर आपरेटर को संलग्न किया जाकर दल प्रभारी नियुक्त किया गया

26 आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु 2 करोड़ 91 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिशिर गेमावत ने 26 आंगनवाड़ी केद्रों के भवन निर्माण हेतु 2 करोड़ 91 लाख 72 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। यह स्वीकृति मनरेगा अभिसरण मद से की गई है। इसके तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र के भवन (बाउंड्रीबाल सहित) निर्माण के लिए 11 लाख 22 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। साथ ही इन निर्माण कार्यों के लिए क्रियान्वयन एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत को बनाया गया है।जारी प्रशासकीय स्वीकृति के अनुसार विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत रजवारा न. 1, रजवारा न. 2, सिनगौड़ी, घुनौर एवं जारारोडा में आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण के लिए 56 लाख 10 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार विकासखंड बड़वारा के ग्राम पंचायत कछारी एवं जगुआ में तथा विकासखंड रीठी के ग्राम पंचायत रीठी एवं उमरिया हेतु आंगनबाड़ी केन्द्र के भवन निर्माण के लिए 44 लाख 88 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।वहीं विकासखंड ढीमरखेड़ा के ग्राम पंचायत ख़ाम्हा, परसेल, बरहटा के ग्राम गाडा और कुंसरी तथा ग्राम पंचायत कछारगांव में आंगनबाड़ी केन्द्र के भवन निर्माण हेतु 56 लाख 10 हजार रूपये की स्वीकृति दी गई है। जबकि विकासखंड कटनी के ग्राम पंचायत मडई, पिपरिया, देवराखुर्द, पौसरा के बोहता एवं पौसरा, हिरवारा, पहाड़ी, खमतरा, खरखरी, कन्हवारा, कूडो एवं हीरापुर कौड़यिा में भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ 34 लाख 64 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

मझगवां स्थित बंद पुलिया को खुलवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

एसडीएम कटनी प्रदीप कुमार मिश्रा के निर्देश पर मझगवां राष्ट्रीय राजमार्ग की बंद पुलिया को सुगम जल निकासी की दृष्टि से खुलवाया गया। इस पुलिया को मुरूम डालकर हाउसिंग बोर्ड निवासी पवन मित्तल द्वारा बंद कराया गया था।

कटनी नगर तहसील के राजस्व निरीक्षक मंडल मझगवा के पटवारी हल्का नंबर 4 पौसरा के भूमि खसरा नंबर 104/2 रकबा 0.69 हेक्टेयर भूमि जो राष्ट्रीय राजमार्ग भूतल परिहवहन विभाग पर दर्ज है। उसके अंशभाग पर पुलिया डालकर पानी निकासी हेतु पुल का निर्माण कराया गया है। किंतु करीब 1 वर्ष पूर्व खसरा नंबर 105/1 के समीपस्थ भूमि स्वामी पवन कुमार मित्तल पिता सी आर मित्तल द्वारा इस पुलिया को बंद कर दिया गया। जिससे बारिश के पानी को निकलने में समस्या हो रही थी। पूर्व में यह पानी निकासी खसरा नंबर 104/2 से निकलते हुए 104/4, 104/1 व खसरा नंबर 102 से होते हुए पानी नदी से निकल जाता था। लेकिन पवन कुमार मित्तल द्वारा इस पुलिया को बंद करने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही थाी। इसलिए जल निकासी की व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए एसडीएम कटनी प्रदीप मिश्रा ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी। इस दल ने बुधवार को बंद पुलिया को खुलवा दिया जिससे बिना बाधा के पानी निकासी हो रही है।

शराबी वाहन चालक समेत बुलेट वाहन चालक पर पुलिस की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर सहित कोयलांचल क्षेत्र में इन दोनों युवाओं के द्वारा बुलेट वहां में मॉडिफाईड साइलेंसर लगाकर वाहन को चलाना अपना शौक समझते हैं इनके इस तरह-तरह के आवाज निकालने वाले साइलेंसर से आम जनों को परेशानी होती है। इस संबंध में हरिभूमि ने प्रमुखता से समाचार भी प्रकाशित किया था। जिसे पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान ने गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए थे। गुरुवार को फुनगा हाईवे चौकी प्रभारी विनोद दुबे के द्वारा कोतमा बदरा भालूमाड़ा में बुलेट वाहनों में लगे माडीफाईड साइलेंसर की चेकिंग अभियान चलते हुए तीन बुलेट वाहनों से साइलेंसर निकलवाते हुए तीन वाहनों पर कार्यवाही की गई साथ ही एक वाहन चालक शराब के नशे में दो पहिया वाहन चल रहा था जिसकी स्क्रीनिंग करते हुए धारा 185 के तहत कार्यवाही की गई । बदरा कोतमा के बीच चेकिंग अभियान के तहत तीन चार पहिया वाहन मे लगे काली फिल्म को निकलवाया गया। चेकिंग अभियान के दौरान सात हजार रूपये का सम्मन शुल्क वसूल किया गया। कार्यवाही मे हाइवे चौकी प्रभारी विनोद दुबे सहायक उपनिरीक्षक आनंद तिवारी प्रधान आरक्षक जितेन्द्र नरवरिया आरक्षक मोहित श्रीवास्तव विनय मिश्रा संजय श्रीवास कपिल सोलंकी शामिल रहे।

अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन प्रारंभ सभी मांगे मान लेने तक जारी रहेगा

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। जमुना कोतमा क्षेत्र प्रबंधन द्वारा कामगारों के सभी कामों को रोकना, बाधा उत्पन्न करना, संगठन के मांग को अनसुना करना पुरानी आदत हो गई है। एच एम एस लगभग साल भर से जमुना कोतमा क्षेत्र के श्रमिक साथियों के मांग को लेकर संघर्ष करता आ रहा है। इसी तारतम्य में 26 जून को 07 सूत्रीय मांग को लेकर स्टॉफ ऑफिसर एच आर के ऑफिस में सायं 4.30 बजे जाकर मुद्दों का निराकरण करने का प्रयास किया गया लेकिन APM का रवैया ठीक नहीं लगा तब संगठन शांति प्रिय तरीके से APM की आरती के साथ पूजा पाठ एवं गृह शांति के लिए सुंदर कांड का पाठ संचालित किया गया। जमुना कोतमा क्षेत्र के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने बताया कि ज.को.क्षेत्र के कामगारों निराश होने वाली कोई बात नहीं है। जब तक सभी इकाई के कामगारों का प्रमोशन, क्षेत्रीय स्तर पर जैसे CDS का, टेली फोन विभाग की पदोन्नति, आग्जेलरी विभाग की पदोन्नति इलेक्ट्रिकल सुपरवाइजर में सभी ग्रेड में पदोन्नति, माइनिंग सरदार ग्रेड सी से ओवर मेंन ग्रेड बी में पदोन्नति तथा सभी इकाई के लोडर का MGB का एरियर्स हर खदान में पीने का पानी कालोनी की साफ सफाई, कामगारों के घरों में खिड़की दरवाजा विद्युत की व्यवस्था जब तक ठीक नहीं हो जाती है तब तक एच एम एस का प्रदर्शन जारी रहेगा।

भालूमाड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने वाले के विरुद्ध की गई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूजभालूमाड़ा। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना भालूमाड़ा की पुलिस टीम द्वारा पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करो एवं बिक्रेताओं के विरूद्ध छापामार कार्यवाही के दौरान 26 जून को भालूमाडा पुलिस टीम के द्वारा धुम्मा नाला के पास देवगवाँ मेन रोड में आरोपी राकेश चौधरी पिता स्व. सदन चौधरी उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम बदरा थाना भालूमाडा के कब्जे से एक प्लास्टिक के थैला में 702 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल कीमती जप्ती माल 7000/- रुपये को जप्त कर अपराध क्रमांक 286/2025 धारा 8/20 बी एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया है।

खबर संक्षेप

गाय हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का अभिन्न अंगः विधायक

शहडोल। प्रदेश शासन के पशुपालन विभाग एवं डेयरी विभाग द्वारा भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय प्रतियोगिता का आयोजन उपसंचालक पशुपालन विभाग कार्यालय कामदेनु भवन के परिसर में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि गाय हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का अभिन्न अंग है। इसका संरक्षण न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। यदि हम गायों के संरक्षण और पालन-पोषण पर विशेष ध्यान दें, तो दुग्ध उत्पादन में क्रांतिकारी वृद्धि हो सकती है। पशुपालन, खेती-किसानी में बोनस का काम करता है। गौमूत्र एवं गोबर से जैविक उर्वरक एवं कीटनाशक दवाई बनाई जाती हैं। जिसका उपयोग करने से खेती की लागत में कमी आती है। इस इवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य श्री राम नरेश शर्मा, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ अशोक सिंह, राजकुमार तिवारी, गौपालक तथा विभागीय अमला उपस्थित रहा।

विधायक ने कहा कि देसी नस्ल की गायों को प्रोत्साहन देकर देशी दूध की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में वृद्धि की जा सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और दुग्ध आधारित उद्योगों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि दुग्ध आधारित उत्पादों को बढ़ावा देकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं, साथ ही आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार कर सकते हैं। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अनेकों योजनाएं संचालित कर रही है। गौपालक योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बने। कार्यक्रम में उपसंचालक पशु विभाग अशोक सिंह ने देशी विदेशी नस्लों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होनें बताया कि भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गाय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार गौपालक धनपुरी निवासी दीपक पांडे की गाय 16.86 लीटर दूध देती है, उनको 51 हजार रूपए का चेक प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार जयसिंहनगर के ग्राम पथरहटा निवासी श्रीमती आशा द्विवेदी जिनकी गाय 16.76 लीटर दूध देती है, उनको 21 हजार रूपए का पुरस्कार एवं तृतीय पुरस्कार ब्यौहारी के मुदरिया निवासी गौपालक राजेंद्र प्रताप सिंह जिनकी गाय 16.33 लीटर दूध देती है, उन्हें 11 हजार रूपए का पुरस्कार अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया।

सरकार उद्योग स्थपित करने को दे रही है बढ़ावाः विधायक

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा प्रदेश के संतुलित विकास के लिए लगातार कर रही है। इसके लिए प्रथम चरण में संभाग स्तरों पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। अब वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष घोषित कर जिला स्तर पर एमपी राईज कान्क्लेव की शुरूआत कर रतलाम जिले से की गई है। प्रदेश सरकार की प्रदेश के सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास की पहल है। जिले के युवा शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनें तथा अन्य लोगों को भी रोजगार दें। यह विचार जयंसिंगनगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित एमएसएमई डे-2025 का जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। इस अवसर पर रतलाम जिला मुख्यालय में आयोजित एमपी राईज 2025 कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में प्रबंधक जिला एवं व्यापार उद्योग केन्द्र शहडोल श्रीमती जूही खटिक द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया गया। उन्होनें बताया कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं में 6745 हितग्राहियों को 5939 लाख रूपए का वितरण कराया गया।

अवैध रेत परिवहन करते वाहन धराया

शहडोल। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम के लिएजिले के ग्राम पंचायत जरवाही के बटली घाट (सोन नदी) क्षेत्र अंतर्गत खनिज रेत का अवैध परिवहन में संलिप्त 01 वाहन बिना नंबर मेटाडोर को खनिज विभाग द्वारा जप्त किया गया। उक्त संलिप्त वाहन को जप्त कर शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना प्रभारी बुढ़ार की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त वाहन के विरूद्ध म.प. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय प्रेषित किया गया।

भगवान जग के नाथ के साथ रथ में सवार होकर बहन एवं भाई बालदाऊ निकले नगर भ्रमण में

श्रीराम जानकी मंदिर बुढार से पूरे श्रद्धा एवं उल्लास के साथ नगर में निकली रथ यात्रा

बुढार। शुक्रवार को आषाढ़ मास की द्वितीया तिथि पर भगवान जगन्नाथ स्वामी रथयात्रा महोत्सव के पावन अवसर पर नगर के सुप्रसिद्ध श्रीराम जानकी मंदिर बुढार से भव्य रथयात्रा शायं 5 बजे निकाली गई और रथयात्रा का नगर में जगह-जगह श्रद्धालुजन श्रद्धाभाव से पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।बुढार नगर के अति प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महंत श्रीराम बालक दास जी महाराज रथयात्रा महोत्सव के पुण्य अवसर पर भगवान जगन्नाथ स्वामी जी के सुसज्जित रथ के साथ नगर भ्रमण में निकलें। श्रीराम जानकी मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी, भैया बलदाऊ तथा बहन सुभद्रा जी सुसज्जित रथ में विराजित होकर नगर में निकलें और रथयात्रा को देखने नगर तथा आस-पास के श्रद्धालु धर्मप्रेमियों का विशाल हुजूम एकत्र हुआ। रथयात्रा बाजे-गाजे व संकीर्तन मंडली के साथ सायं 5 बजे प्रस्थित हुआ और, जिससे समूचे नगर का वातावरण श्रद्धामय हुआ।

जगह जगह पूजन अर्चन

भगवान जगन्नाथ स्वामी जी का सुसज्जित रथ श्रीराम जानकी मंदिर से प्रस्थित होकर रेल्वे मार्केट, मेन मार्केट, दीक्षित निवास मार्ग से पं.दीनदयाल चौक, बनियान टोला, सोनाराम टोला होते हुए वापस नायक के निज निवास रथ पहुंचा जहां भगवान जगन्नाथ स्वामी जी का विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन किया जायेगा और भगवान जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा तथा भाई बलदाऊ जी को विराजित किया जायेगा, श्री नायक परिवार के जनकपुरी अपने ससुराल में भगवान जगन्नाथ स्वामी जी तीन रात्रि विश्राम करेंगे इसके उपरांत वापस रथयात्रा 30 जून को श्रीराम जानकी मंदिर मुख्यमार्गों से होते हुए पहुंचेगी। शांति व्यवस्था में भगवान जगन्नाथ स्वामी जी की रथयात्रा के अवसर पर शांति व्यवस्था बनने मे बुढार टी आई संजय जायसवाल एवं अमलाई टीआई जय प्रकाश शर्मा एवं दोनों थाने का पुलिस बल तैनात रहा। रथयात्रा में भारी संख्या में नगर के श्रद्धालु जन एवं महिलाओं के द्वारा भगवान जगन्नाथ के रथ के साथ जयघोष के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

सेल्समैन पर कम खाद्यान्न देने का आरोप

ब्यौहारी। शहडोल जिले के तहसील ब्यौहारी ग्राम पंचायत मरतला पपौंध का है जहां पर सरकार द्वारा चलाया गया अंत्योदय अन्न योजना के अंतर्गत जो राशन सभी BPL धारकों को दिया जाता है वहां पर जो वितरणकर्ता राज्यश्री चतुर्वेदी है उनके द्वारा यह भ्रष्टाचार एवं ग़रीब लोगों के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है जिसमें दर्शाया गया है कि किस प्रकार से वे वजन मै खाद्य सामग्री जो सरकार द्वारा गरीब लोगों को दिया जाता है उसमें हेरा फेरी की जा रही है प्रति गरीब व्यक्ति से 2 किलो राशन की हेराफेरी की जा रही है अन्दर तौलने पर यदि 30 किलो है तो बाहर आकर उसे तौलने पर 28 किलो है यह हेराफेरी की जा और यह क्षेत्र आदिवासी कोल गोंड घुमक्कड़ अर्द्ध घुमक्कड़ गडरिया बहुजन बाहुल्य क्षेत्र है जहां पर आज भी लोग बहुत गरीबी का सामना कर रहे है वहां के अधिकारी इस प्रकार के घोटाले कर रहे है अभी तक इस पर खाद्य जिला अधिकारी कोई कार्यवाही एवं संदिग्धता नहीं दिखाई जा रही है।

खनिज मद से स्वीकृत कार्यों के प्राकलन अनुमोदन से पूर्व ही प्राप्त करेंः सांसद

शहडोल। जिला खनिज प्रतिष्ठान के न्यास मंडल एवं कार्यपालिक समिति की बैठक विराट सभागार में संपन्न हुई। सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से प्रस्तावित कार्यों के प्राकलन अनुमोदन के पूर्व ही निर्माण विभागों से प्राप्त कर लिए जाएं। जिससे कार्यों को पूरा करने के लिए रिवाईज स्टीमेट की आवश्यकता नहीं पड़े। सांसद ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित गाईडलाईन के अनुसार प्राथमिकता वाले कौन से कार्य जिला खनिज मद से स्वीकृत किए जा सकते हैं, उसकी सूची जन प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी जाए। जिससे जन प्रतिनिधि गाईडलाईन के अनुसार ही कार्य प्रस्तावित कर सकें।ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने कहा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से स्वीकृत कार्यों की सूची में अनुमोदित कार्य जिन जन प्रतिनिधियों द्वारा जो कार्य प्रस्तावित किए जाते हैं उपलब्ध करा दी जाए। ऐसा करने से संबंधित जन प्रतिनिधि उन कार्यों की मानीटरिंग कर सकेंगे, जिससे कार्यों के पूरा होने में होने वाली देरी से बचा जा सकेगा। कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने बैठक में स्वीकृत कार्यों, पूर्ण तथा अपूर्ण कार्यों तथा वित्तीय स्थिति की जानकारी समिति के सदस्यों को दी।

जिले के 50 मेधावी छात्रों को वैश्य महासम्मेलन ने प्रशस्ति पत्र, शील्ड भेंटकर किया सम्मानित

बुढार। शहडोल जिला वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में मेधावी छात्रों को से प्रमाण पत्र व शील्ड प्रदान किए गये, वैश्य महासम्मेलन के मेधावी छात्रों के 50 छात्रों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया, जिसमें छात्रों के साथ उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जिले के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे - पदम खेमका प्रदेश महामंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता,श्रीमती सत्यभामा गुप्ता प्रदेश महिला वींगं उपाध्यक्ष, शशि गुप्ता, जवाहर लाल सोनी,जे पी गुप्ता,जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष विजय ताम्रकार, नरेश सिंगल, महामंत्री नीलेश साहा, मंत्री के पी साहू, शोभना गुप्ता , शांति गुप्ता, निर्मला गुप्ता, अर्चना गुप्ता, शिवदयाल गुप्ता, तहसील अध्यक्ष बुढार, सोहागपुर,केशवानी, जैतपुर, गोहपारू, अमित गुप्ता युवा जिला अध्यक्ष व अन्य वैश्य महासम्मेलन के सदस्य उपस्थित रहे।

नगर पालिका की लापरवाही से जेबीसी मशीन से नालियों पर रखे स्लैब को हटाया गया जहां कचड़े के भंडार से नाली चोक

साप्ताहिक बाजार, वार्डो में जल जमाव से लोगों की परेशानी बड़ी

धनपुरी। बरसात की पहली बूँदें गिरते ही नगर पालिका की कार्यप्रणाली की पोल खुल गई। शहर के विभिन्न वार्डों में बनी नालियों की सफाई समय पर न किए जाने और उन्हें सीमेंट स्लैब से ढंक दिए जाने के कारण पानी निकासी पूरी तरह ठप हो गई है। इससे वार्ड संख्या 17 सहित अन्य वार्डों में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा था और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

वार्डों में जल जमाव, नालियों से उठती दुर्गंध

मीट मार्केट, प्राथमिक पाठशाला विलियस नं.1 के पास, और अन्य मोहल्लों में नालियों के ऊपर ढंके स्लैब हटाने के बाद सामने आया कि नालियां कचरे और कीचड़ से पूरी तरह जाम हैं। नगर पालिका की जेसीबी मशीनें भी इस गंदगी को पूरी तरह साफ नहीं कर पा रही हैं। वार्डवासी लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन समाधान के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है।

सब्जी बाजार में खुली नालियों दुर्गंध से विक्रेता विवश

हर गुरुवार और रविवार को लगने वाला साप्ताहिक सब्जी बाजार गंदगी और अव्यवस्था का पर्याय बन चुका है। खुले नालों से बहते बदबूदार पानी के बीच विक्रेता सब्जियां बेचने को मजबूर हैं, जबकि खरीदार दूर से ही लौट जा रहे हैं। कीचड़, दुर्गंध और मच्छरों का जमावड़ा गंभीर बीमारियों को आमंत्रण दे रहा है।

बैठक शुल्क वसूली, सुविधा शून्य

सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि नगर पालिका नियमित रूप से शुल्क तो वसूल रही है, लेकिन न तो साफ-सुथरी जगह उपलब्ध है और न ही छाया या पीने के पानी की व्यवस्था। बारिश होते ही साप्ताहिक बाजार जगह जगह जलजमाव हो जाता है। विक्रेताओं को गंदे पानी में खड़े होकर सब्जियां बेचनी पड़ती हैं। वहीं, बाजार में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से मोटरसाइकिलें सड़कों पर ही खड़ी रहती हैं, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है।

कब सुधरेगा सिस्टम?

नगर पालिका करोड़ों का बजट पारित करती है, बड़े-बड़े निर्माण कार्यों हो रहे हैं, लेकिन ज़मीनी स्तर की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। नागरिकों का सवाल है कि साप्ताहिक बाजार, पार्किंगऔर नाली व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाएं कब दुरुस्त होंगी?

खबर संक्षेप

अनूपपुर नगर के विभिन्न स्थानों पर 28 व 29 जून को विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि उपसंभाग अनूपपुर अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र कोतमा रोड अनूपपुर से निकलने वाले टाउन फीडर में पुराने जीर्ण-शीर्ण पोलों के स्थान पर नए पोल स्थापित किए जाने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु 28 एवं 29 जून को टाउन फीडर में आने वाले शिवमारुति मंदिर सामतपुर, नगरपालिका, मुख्य बाजार, इन्दिरा तिराहा, अमरकंटक तिराहा, शांतिनगर, अनूपपुर बस्ती, उज्वल कॉलोनी, पॉलीटेक्निक कॉलेज, विकलांग छात्रावास आदि क्षेत्रों में प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

अमरकंटक में खुला इंडियन कॉफी हाउस

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को एवं कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अमरकंटक के लोक निर्माण विभाग उच्च विश्राम गृह परिषद में इंडियन कॉफी हाउस का विधिवत फीता काटकर भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों ने कॉफी हाउस परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी इंडियन कॉफी हाउस के सीनियर मैनेजर एवं अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। इंडियन कॉफी हाउस के उद्घाटन अवसर पर सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि अमरकंटक एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल है, जहां देशभर से श्रद्धालु और पर्यटक भारी तादाद में आते हैं।

बिजली गुल होते ही मरीज के साथ तीमारदार भी परेशान

राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र पाने वाले जिला चिकित्सालय का 'हाल बेहाल'

मोबाइल की रोशनी में चल रहा अस्पताल में काम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एक तरफ केन्द्र व प्रदेश सरकार जहां गरीब कमजोर वर्ग को सुविधा युक्त सरल इलाज देने का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत प्रशासन के इन्हीं दावों की पोल खोलती नज़र आ रही है। सरकार के सारे वादे जिला अस्पताल अनूपपुर में धूल चाटते नजर आ रहे है। गरीब यहां इलाज के लिए भटक रहा है तो मोबाइल की रोशनी मे अस्पताली कार्यवाही हो रही है जो प्रदेश के लिए नजीर है क्योंकि इसी जिला अस्पताल को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं लोक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान किये जाने पर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र से सम्मानित किया है वही मूलभूत सुविधा अस्पताल प्रबंधन उपलब्ध नही करवा पा रहा है।

जिला अस्पताल अनूपपुर हमेशा से सुर्खियों में रहा है। कभी इलाज के अभाव में मरीजों का दम तोड़ना तो कभी प्रसव के दौरान प्रसूता की मौत होना आम बात बन चुकी है। जिला अस्पताल में गंदगी कभी भी देखी जा सकती है। यहां डॉक्टरों के बैठने के लिए अलग-अलग चेंबर बने हुए हैं और डॉक्टरों के बैठने का समय भी निर्धारित है। इसी निर्धारित समय में डॉक्टर वार्डों में भर्ती मरीजों की देखरेख भी कर सकते हैं लेकिन देखा जाता है कि डॉक्टर वार्डों में भर्ती मरीजों को देखने के नाम पर दो-दो घंटे चेंबर से गायब रहते हैं जिस कारण मरीजों को परेशान होना पड़ता है। सिविल सर्जन का डॉक्टरों पर कोई नियंत्रण नहीं है। कलेक्टर के निर्देश के बावजूद भी डॉक्टर सुबह अपने चेंबरों पर नहीं बैठते हैं तो शाम तक भगवान ही मालिक है।

डॉक्टरों के निजी अस्पताल बने जी का जंजाल

सबसे बड़ी विडंबना यह देखी जा रही है कि डॉक्टरों के निजी अस्पताल संचालित हो रहे हैं इसलिए डॉक्टर सरकारी अस्पताल में कम और निजी अस्पताल में ज्यादा समय बिताते हैं। कई

डॉक्टरों द्वारा मरीजों को निजी अस्पताल में आने की सलाह दी जाती है जबकि जिला कलेक्टर के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी डॉक्टर पूरे समय अपने चेंबर पर बैठें। डॉक्टरों के इन निजी अस्पतालों में सैकड़ों मरीज भर्ती मिल जायेंगे। डॉक्टरों की दोहरी कमाई के चलते ही मरीजों को परेशान होना पड़ता है और गरीब मरीजों को सरकारी अस्पताल में इलाज का लाभ कम मिल रहा है।

बिजली बंद होते ही स्वास्थ्य सुविधा भी बंद

जिला चिकित्सालय में बिजली गुल होने से स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही हैं। यहां स्वास्थ्य व्यवस्था बनाने के लिए दो जनरेटर लगाए गए हैं। जिसमें से एक जनरेटर कुछ दिन पहले खराब होने के कारण बंद है, वहीं दूसरे का कनेक्शन न होने के कारण इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है जिससे बिजली गुल होने पर जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए आए हुए मरीज परेशान होते रहे। ओपीडी से लेकर पैथोलॉजी लैब, ओपीडी लैब में पर्ची काटने तथा रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए घंटों तक लोगों को बिजली आने का इंतजार करना पड़ा है। बुधवार और गुरुवार को बिजली गुल होने पर यहां लोग परेशान होते देखे गए। इस दौरान मोबाइल की रोशनी मे रक्तवीर ने रक्तदान किया।

**आखिर क्या देखकर दिया गया प्रमाणन पत्र?
यह कैसा विरोधाभास! एक तरफ असंतुष्टों की कतार तो स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम ने मरीजों से जानी उनकी संतुष्टि**

बिजली पर आधारित उपकरण बंद होने के कारण लोग गर्मी में परेशान होते रहे। दूसरी ओर एक्सरे, सोनोग्राफी के साथ ही अन्य विभिन्न स्वास्थ्य उपकरण बंद होने से लोगों की जांच नहीं हो पाई। वहीं कम्प्यूटर बंद होने से ओपीडी पर्ची भी नही कट पाई। ऐसे मे समझा जा सकता है कि जिला चिकित्सालय को मिले राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र का कोई अर्थ नही जिसके लिए चिकित्सालय को प्रमाण पत्र दिया गया है।

बदहाली की कहानी, पीडित की जुबानी

चोलना निवासी अजीत तिवारी की मां की तबियत अचानक खराब होने पर उनके द्वारा मां को मंगलवार 24 जून को जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया, 26 जून को जब डॉक्टर राउंड पर आए तो उन्होंने कहा कि अब कोई दिक्कत नहीं है, अपनी माता जी को घर ले जाइए, लेकिन 27 जून को जब रिपोर्ट आई तो पता चला कि स्थिति अब भी गंभीर है और प्लेटलेट्स बहुत कम थे, परंतु डॉक्टरो के द्वारा दूसरा इलाज किया जा रहा था, अगर अजीत तिवारी डॉक्टर की बात मानकर मां को घर ले गया होता तो क्या होता? वही 26 जून की रात खून इतनी तेजी से चढ़ाया गया कि 3 घंटे में पूरी बोतल खत्म कर दी। इसके बाद पीडिता मां को तेज बुखार और ठंड लगने लगी। न चद्दर, न कंबल की कोई व्यवस्था थी। बाथरूम इतने गंदे कि मरीज वहां जाने से डरता है। डॉक्टर अपनी ड्यूटी छोड़कर अपने क्लीनिक पर ध्यान दे रहे हैं और अस्पताल को भगवान भरोसे छोड़ रखा है। यहां की स्थिति से व्यथित होकर अजीत तिवारी अपनी मां को शहडोल ले गया, उन्होने बताया कि मुझे एंबुलेंस तक की सुविधा नही दी गई, उनके

अनुसार यहाँ इलाज की कोई उम्मीद नहीं बची। उन्होने कहा कि आज जो मेरे साथ हुआ, वह अगर किसी गरीब परिवार के साथ होता तो उसके लिए यह बहुत बड़ा संकट बन जाता। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है, हम मिलकर आवाज उठाएँ और अनूपपुर की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने में अपनी भूमिका निभाएँ।

इधर सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा के लिए 87 प्रतिशत अंकों के साथ क्वालीफाई?

जिला चिकित्सालय अनूपपुर को नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेन्टर स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस), प्रसव कक्ष गुणवत्ता सुधार पहल (लक्ष्य) व मुस्कान कार्यक्रम अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह सर्टिफिकेशन नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेन्टर द्वारा शासकीय चिकित्सालयों को उनके प्रदर्शन और सुविधाओं के मूल्यांकन के आधार पर दिया जाता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जिला चिकित्सालय को 87 प्रतिशत अंकों के साथ क्वालीफाई किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय के लेबर रूम एवं मैटरनिटी ओटी को भी क्रमशः 97 प्रतिशत एवं 96 प्रतिशत स्कोर के साथ क्वालीफाई किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा यह मूल्यांकन विगत 20 से 22 मार्च 2025 की अवधि में किया गया था। जिला चिकित्सालय के 20 विभागों का भारत सरकार के एक्सटर्नल मूल्यांकन दल द्वारा बारीकी से मूल्यांकन किया गया था। इसके तहत ब्लड बैंक, ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू, मेटरनिटी वार्ड, शिशु वार्ड, एसएनसीयू, पोषण पुनर्वास केंद्र, ऑपरेशन थिएटर, पीपीयू, लैब, रेडियोलॉजी, फार्मेसी इत्यादि विभागों की सेवाओं को परखा गया था। असेसमेंट के दौरान उपकरणों, इमरजेंसी प्रोटोकॉल, स्टाफ की क्लिनिकल जानकारी, प्रशिक्षण, सर्विस प्रोविजन, इन्फेक्शन कंट्रोल, साफ सफाई, हाउसकीपिंग, किचन, लॉन्ड्री, मशीनों की स्थिति, मरीजों की काउंसलिंग, रिकॉर्ड संधारण, रेफरल सिस्टम, दवाइयों, एएनसी प्रोटोकॉल, पोस्ट नेटल केयर, स्तनपान, कंगारू मदर केयर, स्टाफ का क्लिनिकल नॉलेज का मूल्यांकन किया गया था। टीम ने मरीजों से उनकी संतुष्टि की जानकारी भी प्राप्त की थी।

उप मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र प्रदान कर किया सम्मानित

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं लोक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश की संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने सोमवार को नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय अनूपपुर को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान किये जाने पर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणन पत्र से सम्मानित किया। जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस.आर. परस्ते एवं अस्पताल प्रबंधक डॉ. जनमेजय शाक्य ने यह पुरुस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेन्टर स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के एनक्यूएएस, लक्ष्य व मुस्कान कार्यक्रम अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा के लिए जिला चिकित्सालय को दिया गया है।

इनका कहना है

जब इस मामले मे जिला चिकित्सालय अनूपपुर के सिविल सर्जन से बात की गई तो हर मामले मे हां-हां का जवाब देकर फोन काट दिया गया।

**डॉ. एसआर परस्ते, सिविल सर्जन
जिला चिकित्सालय अनूपपुर**

हसदेव क्षेत्र में ठेकेदार और प्रबंधन कर रहा गुपचुप तरीके से कार्य

नाराज हुआ संयुक्त ट्रेड यूनियन, नौ सूत्रीय मांगों का पुनः सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। हसदेव क्षेत्र प्रबंधन श्रमिक कल्याण मूलक विषयों पर ठेकेदार और प्रबंधन गुपचुप तरीके से पिछले एक वर्ष से कार्य को अंजाम दे रहे हैं। जिससे क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्यों ने प्रबंधन के इस रवैया से क्षुब्ध होकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक को अपना आपत्ति दर्ज कराते हुए। 28 जून 2025 को क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा आयोजित बैठक को बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक SECL कंपनी के मुख्यालय से GM (HR) द्वारा पत्र क्रमांक Ref.SECL/BSP/WELF/2025/116 दिनांक 27/05/2025 के तहत कंपनी के प्रत्येक क्षेत्र में वेलफेयर कार्यवृत्त की निरीक्षण कंपनी कल्याण समिति सदस्यों एवं क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप निर्धारित तिथि पर सुनिश्चित किया गया है। जिसके अनुसार हसदेव क्षेत्र में भी 25-26 जून 2025 को उच्च प्रबंधन द्वारा होना सुनिश्चित हुआ है। जिसको देखते हुये महाप्रबन्धक हसदेव क्षेत्र के कार्मिक प्रबन्धक पत्र क्रमांक 699 दिनॉंक 10 जून 2025 को जारी कर क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्यों को उपक्षेत्रीय झगराखाण्ड में 13 जून को श्रमिक कल्याण से सम्बधित कार्य के निरीक्षण के लिये तिथि निर्धारित किये और फिर निरस्त कर दिये। प्रबन्धन का कागजी खेल देख क्षेत्रीय कल्याण समिति समझ गयी। जिससे एटक, इंटक, बीएमएस, सीटू के कल्याण समिति ने पीछले एक वर्ष से चल रहे प्रबन्धकीय हीलाहवाली पर नजर दौडाये तो 30-31 अगस्त 2024 से आज तक किसी तरह का प्रबन्धन ने कार्यों का निरीक्षण नही कराये। जिससे क्षुब्ध होकर 23 जून को हसदेव क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबन्धक को प्रबन्धकीय कार्यवुत्त पर में चल रहे उदसानिता एवं कल्याण समिति सदस्यों द्वारा प्रबन्धन के संज्ञान में लाये विषय को नजर अदांज कर देना के संदर्भ में एक ज्ञापन सौपा। जिस पर प्रबन्धन ने पत्र को संज्ञान में नही लिया और 28 जून 2025 को क्षेत्रीय कल्याण समिति की बैठक क्षेत्रीय अतिथ्यि गृह हसदेव हाउस में 10 बजे से रखा दी। जिससे संयुक्त ट्रेड युनियन, हसदेव क्षेत्र क्षुब्ध होकर क्षेत्रीय प्रबन्धन के इस कार्यवाही की सभी ने कडी निंदा कियें।

नौ सूत्रीय मांगों का पुनः सौंपा ज्ञापन

नौ सूत्रीय मांग का एक ज्ञापन पुनः सौंपा। जिसमें प्रमुख यह है कि वर्ष 2024- 2025 में वेलफेयर कार्य के लिये कम्पनी द्वारा कितना फण्ड प्राप्त हुआ है और किस मद में कितना खर्च हुआ है। हसदेव क्षेत्र के सभी खदानों में कितने ठेका मजदूर कार्यकर रहे है और उनका भुगतान एसपीसीके मुताबिक भुगतान हो रहा है कि नही। इन सभी ठेका मजदूरों का ईपीएफ नम्बर उपलब्ध कराये जाये। कितने को पीछले वर्ष बोनस प्रदान किया गया संपूर्ण जानकारी दिया जाये। इसी तरह हसदेव क्षेत्र में जेएमएस, एमकेएसपीएल, टीएमसी आदि ठेका मजदूरों से कार्य ले रही है। उन कामगारों के ईपीएफ नम्बर उपलब्ध कराये जाये। चिकित्सा के क्षेत्र में प्राप्त दवा गुणवत्ता विहीन है जिसकी उच्च षासकीय संस्थाओं से जांच कराये जाये। हसदेव क्षेत्र में लगभग 12000 क्वार्टर की जानकारी मिल रही है और कर्मचारी 3900 है। अन्य में बाहरी लोग अवैध तरीके से कब्जा जमायें रखे है। तत्काल न्यायिक कार्यवाही करा कर क्षेत्रीय कल्याण समिति को अवगत कराये। वही जेकेडी उपक्षेत्र में प्रशासनिक अधिकारियों को दिये आवास में सिविल कार्य निरतंर कराया जा रहा है उनके लिये प्रबन्धन के पास कहां से फण्ड प्राप्त है। इसकी भी जानकारी सदस्यों को प्रदान किया जाये।

एक माह में विभिन्न प्रजाति के 100 से अधिक सर्पों का सर्प प्रहरियों ने रेस्क्यू कर छोडा जंगल में

जागरुकता से सर्पदंश की घटनाओं में आ रही कमी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बरसात का समय आते ही अन्य स्थानों की तरह अनूपपुर जिले में भी विभिन्न प्रकार के सर्पो का निकलना बहुतायत मात्रा में प्रारम्भ हो गया है इससे आए दिन विभिन्न प्रकार के सर्पो के आम जनो के घरो एवं घरो के आसपास आहार की तलाश में आ जाने की सूचनाएं मिलने पर विगत एक माह के मध्य अनूपपुर जिला एवं जिला मुख्यालय के सर्प प्रहरियों द्वारा विभिन्न प्रजाति के 100 से अधिक सर्पो का रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु जंगलों में छोड़ा है यह कार्य निरंतर जारी है वहीं सर्प विशेषज्ञों एवं सर्प प्रहरियों द्वारा समय-समय पर अनूपपुर जिले के नगरीय एवं ग्रामीण अंचलो में ग्रामीणो, आम जनो एवं विभिन्न विद्यालयो में अध्यनरत छात्र छात्राओं को सर्पो की पहचान, बचाव एवं सर्पो के काटने पर तत्काल चिकित्सालय में उपचार कराए जाने हेतु दिए गए जानकारी, प्रशिक्षण से जन जागरुकता आई है जिस कारण सर्पो के डसने की घटनाओं में कमी आई है, वही सांपों के काटने से पीड़ित व्यक्तियों को परिजनों द्वारा शासकीय चिकित्सालय मे समय पर ला कर उपचार कराने लगे हैं जिससे समय पर उपचार होने से कई लोगों की जान बची है। विदित है कि बरसात का समय आते ही जमीन के अंदर

रह रहे विभिन्न प्रकार के सांपों का विभिन्न कारणों से बाहर निकल कर बहुतायत मात्रा में विचरण कर रहे हैं जो आहार की तलाश में नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों में निवास रत आम जनों के घरों एवं घरो के आसपास विचरण करते आ जाते हैं वहीं खेतों में काम करते अक्सर दिखते हैं सांपों के दिखने, घर के अंदर एवं आसपास होने की सूचना प्राप्त होने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल, छोटेलाल यादव, जैतहरी के डीपी सेन, गोबरी के डीके रावत, कोतमा के हरिवंश प्रसाद पटेल, अमरकंटक क्षेत्र से भास्कर कुमार वर्में, विकास चंदेल एवं उनकी टीमों द्वारा एक माह के मध्य 100 से अधिक संख्या में अत्यंत जहरीले कोबरा नांग, बैडेड करैत, कामन करैत, रसल वाईपर के साथ जहरविहीन गोह, तिरिछ, धामन असढिया, अजगर, भेड़िया सांप, पानी का सांप जैसे विभिन्न प्रजाति के सांपों का सुरक्षित रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु जंगलों में छोड़ने का कार्य किया गया है जो निरंतर जारी है सांपों की पहचान, बचाव एवं सांपों के डसने से पीड़ित व्यक्तियों को समय पर शासकीय चिकित्सालय मे ले जा कर उपचार कराए जाने के संबंध में सर्प विशेषज्ञो एवं सर्प प्रहरियों द्वारा समय-समय पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के साथ अन्य नगरीय क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्रो के साथ विभिन्न विद्यालयों में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारी के साथ प्रशिक्षण दिए जाने से आम जनों में जागरूकता आई है जिससे विभिन्न प्रजाति के सांपों के काटने से पीड़ित व्यक्तियों को परिजनों एवं अन्य लोगों द्वारा झाड़-फूंक या अन्य स्थानीय उपचार कराने की बजाए तत्काल समय पर शासकीय चिकित्सालय में ला कर उपचार करा रहे हैं। समय पर अस्पताल पहुंचने एवं समय पर उपचार होने से सांपों से पीड़ित व्यक्तियों का चिकित्सकों द्वारा सफलतापूर्वक उपचार किए जाने से जान बच रही है एक माह के मध्य अनेकों पीड़ितों की जान बच सकी है वही अनूपपुर एवं जैतहरी में दो महिलाओं की जिसमें एक महिला की बाडी में काम करते हाथ की अंगुली मे कोबरा नांग के डसने एवं एक महिला की घर में जमीन में सोते समय पीठ में कामन करैत डण्डा करायल काटने से देरी से अस्पताल पहुंचने पर सर्पदंश से मौत होने की घटना घटित हुई है सर्प विशेषज्ञों एवं सर्प प्रहरियों ने बरसात के समय घरों के अंदर जमीन में नहीं सोने, टॉर्च या अन्य तरह की रोशनी के साथ रात के समय चलने, घरों के आसपास साफ सफाई रखने, घर के अन्दर, बाहर रखे कन्डे, लकड़ी अन्य सामग्रियो के ढेर से कुछ निकालते समय सावधानी बरतने, खेतों में चारा, घास पर सावधानी से चलने, काम करने की बातें कही है।

रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्यों का राज्यमंत्री ने लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने जिला मुख्यालय स्थित रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति का मौके पर जाकर निरीक्षण कर जायजा लिया। रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के कार्यों का निरीक्षण करते हुए राज्यमंत्री ने जनहित में कार्यों की गति बढ़ाकर कार्यों की पूर्णता के संबंध में अधिकारियों को समय-सीमा सुनिश्चित करते हुए कार्यों की पूर्णता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में कहीं कोई कमी नही हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। राज्यमंत्री ने आरओबी कार्य स्थल के कार्यों का जायजा लेते हुए ऊर्जा विभाग, सेतु निगम, रेलवे के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के संबंध में मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए।

भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ यात्रा पर जयकारों से गुंजायमान हुआ नगर

हरिभूमि न्यूज कोतमा। शुक्रवार को श्री आदि शक्ति पंचायती मंदिर से रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ स्वामी, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा नगर भ्रमण पर निकले। यात्रा को लेकर भक्तों में जमकर उत्साह देखा गया और जोरदार जयकारो से पूरा नगर गुंजायमान रहा। शाम 5 बजे मंदिर से विधि विधान से पूजा अर्चना एवं मीठे चावल का भोग अर्पण कर भगवान जगन्नाथ की यात्रा प्रारंभ हुई जो अत्यंत आकर्षण श्रृंगार धारण किया गया। स्टेशन चौक, गांधी चौक, पुराना एसबीआई रोड, सब्जी मंडी, बाजार अस्पताल, आजाद चौक, महावीर मार्ग, वीडियो रोड, मुखर्जी रोड सहित अन्य मार्गो का भ्रमण कर वापस पंचायती मंदिर पहुंची। भ्रमण के दौरान घरों के सामने आरती उतार पूजा की गई।रथ को श्रद्धालुओं द्वारा पूरे रास्ते हाथ से खींचते हुए नगर भ्रमण कराया। भक्तों द्वारा जगह-जगह आरती उतारते हुए प्रसाद वितरण भी किया गया। 4 घंटे तक नगर भ्रमण के दौरान प्रमुख चौक में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विदित रहे कि नगर में पिछली एक दशक से ज्यादा समय से बड़ी भव्यता के साथ स्वामी जगन्नाथ कि रथ यात्रा निकाले जाने की परंपरा चली आ रही है। यात्रा के दौरान भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी मुस्तैद रहा। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला कोतमा, भालूमाड़ा एवं हाइवे चौकी पुलिस बल के साथ लगातार सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए यात्रा में शामिल रहे।